Chapter 8 – Digital Financial Tools and Applications

Introduction – डिजिटल वित्तीय उपकरणों का परिचय

आज के समय में पैसे भेजने, प्राप्त करने, बिल जमा करने, ऑनलाइन खरीदारी करने और बैंक खाते से लेन-देन करने के लिए Digital Financial Tools का उपयोग किया जाता है। इनकी मदद से बैंक की शाखा में जाए बिना भी कई वित्तीय काम मोबाइल या कंप्यूटर से किए जा सकते हैं।

Digital Financial Tools ऐसे डिजिटल साधन हैं जिनकी सहायता से इलेक्ट्रॉनिक तरीके से पैसे का लेन-देन किया जाता है।

उदाहरण:

- मोबाइल से UPI द्वारा पैसे भेजना।
- ATM या Debit Card से पैसे निकालना।
- इंटरनेट बैंकिंग से दूसरे बैंक खाते में पैसे भेजना।
- मोबाइल ऐप से बिजली का बिल जमा करना।
- QR Code स्कैन करके दुकानदार को भुगतान करना।

Digital Financial Tools के लाभ

1. **समय की बचत:** बैंक जाए बिना भुगतान किया जा सकता है।
2. **24×7 सुविधा:** कई डिजिटल भुगतान सेवाएँ दिन-रात उपलब्ध रहती हैं; कुछ सेवाओं में बैंक या सिस्टम की सीमा लागू हो सकती है।
3. **तेज लेन-देन:** पैसे कुछ सेकंड या मिनटों में पहुँच सकते हैं।
4. **कम नकदी रखने की जरूरत:** मोबाइल, कार्ड या इंटरनेट बैंकिंग से भुगतान किया जा सकता है।
5. **रिकॉर्ड उपलब्ध:** डिजिटल लेन-देन का विवरण ऐप या बैंक स्टेटमेंट में देखा जा सकता है।
6. **दूर से भुगतान:** अलग-अलग शहरों में बैठे लोगों के बीच भी पैसे भेजे जा सकते हैं।

Hi-Tech

OTP -

OTP का पूरा नाम **One Time Password** है। यह एक अस्थायी सुरक्षा कोड होता है, जिसका उपयोग किसी व्यक्ति की पहचान सत्यापित करने या लेन-देन को अधिकृत करने के लिए किया जा सकता है।

OTP SMS, ईमेल या किसी प्रमाणित ऐप के माध्यम से मिल सकता है।

उदाहरण: किसी वेबसाइट पर लॉगिन करते समय आपके मोबाइल पर 6 अंकों का कोड आता है। उस कोड को निर्धारित स्थान पर डालकर पहचान सत्यापित की जाती है।

OTP के महत्वपूर्ण बिंदु:

- OTP का पूरा नाम One Time Password है।
- इसका उपयोग सत्यापन और सुरक्षा के लिए होता है।
- यह सीमित समय या एक बार के उपयोग के लिए बनाया जाता है।
- OTP किसी अनजान व्यक्ति को नहीं बताना चाहिए।
- बैंक या भुगतान सेवा के नाम पर फोन करने वाले व्यक्ति के साथ OTP साझा नहीं करना चाहिए।

ध्यान दें: हर लेन-देन में OTP आवश्यक नहीं होता। भुगतान का तरीका और सुरक्षा व्यवस्था अलग-अलग हो सकती है।

QR Code – Quick Response Code

QR Code का पूरा नाम **Quick Response Code** है। यह एक प्रकार का द्वि-आयामी (2D) कोड है, जिसमें जानकारी को काले-सफेद छोटे वर्गों के रूप में रखा जाता है।

मोबाइल के कैमरे या भुगतान ऐप से QR Code स्कैन करके जानकारी प्राप्त की जा सकती है या भुगतान किया जा सकता है।

उदाहरण: दुकान पर रखे QR Code को UPI ऐप से स्कैन करके दुकानदार को पैसे देना।

QR Code के प्रकार:

1. **Static QR Code:** इसमें भुगतान प्राप्त करने वाले की जानकारी स्थिर रहती है। भुगतान की राशि ग्राहक को स्वयं भरनी पड़ सकती है।

2. **Dynamic QR Code:** यह किसी विशेष भुगतान के लिए बनाया जा सकता है और इसमें राशि जैसी जानकारी पहले से भरी हो सकती है।

UPI –

UPI का पूरा नाम **Unified Payments Interface** है। यह भारत में डिजिटल भुगतान की एक प्रणाली है, जिसके माध्यम से बैंक खातों के बीच मोबाइल ऐप द्वारा तुरंत पैसे भेजे और प्राप्त किए जा सकते हैं।

UPI का विकास **NPCI (National Payments Corporation of India)** ने किया है।

UPI के उदाहरण: BHIM, Google Pay, PhonePe और Paytm के UPI भुगतान फीचर।

UPI की प्रमुख विशेषताएँ:

- मोबाइल ऐप से भुगतान।
- बैंक खाते से सीधे पैसे भेजना और प्राप्त करना।
- UPI ID या मोबाइल नंबर जैसे उपलब्ध विकल्पों से भुगतान।
- QR Code स्कैन करके भुगतान।
- कई परिस्थितियों में तुरंत धन हस्तांतरण।
- बैंक खाते की जानकारी हर बार सामने वाले को बताए बिना भुगतान करने की सुविधा।

UPI ID क्या है?

UPI ID एक डिजिटल भुगतान पता है, जिसका उपयोग भुगतान भेजने या प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है। इसे Virtual Payment Address (VPA) भी कहा जाता है।

उदाहरण: name@bank एक काल्पनिक UPI ID का प्रारूप है। वास्तविक UPI ID ऐप या बैंक के अनुसार अलग हो सकती है।

UPI PIN क्या है?

UPI PIN वह गोपनीय PIN है जिसका उपयोग UPI भुगतान को अधिकृत करने के लिए किया जाता है। यह ATM PIN से अलग हो सकता है।

महत्वपूर्ण सुरक्षा नियम:

- पैसे भेजते समय प्राप्तकर्ता का नाम और राशि जाँचें।
- UPI PIN किसी को न बताएँ।
- केवल पैसे प्राप्त करने के लिए UPI PIN डालने की आवश्यकता सामान्यतः नहीं होती।
- स्क्रीन शेयरिंग या अनजान ऐप के माध्यम से किसी को अपना भुगतान नियंत्रित न करने दें।

AEPS – Aadhaar Enabled Payment System

AEPS का पूरा नाम **Aadhaar Enabled Payment System** है। यह आधार संख्या और निर्धारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण की सहायता से बैंकिंग सेवाओं का उपयोग करने की सुविधा देता है।

इसका उपयोग बैंकिंग प्रतिनिधि (Banking Correspondent या BC) के माध्यम से किया जा सकता है।

AEPS की प्रमुख सेवाएँ:

1. Cash Withdrawal – नकद निकालना।
2. Cash Deposit – नकद जमा करना, यदि संबंधित सेवा उपलब्ध हो।
3. Balance Enquiry – खाते का बैलेंस जानना।
4. Mini Statement – खाते के हाल के लेन-देन का विवरण प्राप्त करना।
5. Aadhaar आधारित बैंक-से-बैंक लेन-देन, जहाँ सुविधा उपलब्ध हो।

सेवाओं की उपलब्धता बैंक और संबंधित प्रणाली पर निर्भर करती है।

उदाहरण: किसी व्यक्ति के पास ATM कार्ड नहीं है। वह अधिकृत बैंकिंग प्रतिनिधि के पास जाकर आधार आधारित बायोमेट्रिक सत्यापन से खाते का बैलेंस पता करता है या नकद निकालता है।

USSD –

USSD का पूरा नाम **Unstructured Supplementary Service Data** है। यह मोबाइल नेटवर्क पर चलने वाली एक सेवा है, जिसमें विशेष कोड डायल करके जानकारी या सेवाएँ प्राप्त की जा सकती हैं।

भारत में *99# एक महत्वपूर्ण USSD आधारित मोबाइल बैंकिंग सेवा कोड है।

USSD की विशेषताएँ:

- सामान्य मोबाइल नेटवर्क पर काम कर सकती है।

- इंटरनेट कनेक्शन की आवश्यकता नहीं होती।
- फीचर फोन पर भी उपयोग संभव है।
- मोबाइल बैंकिंग से संबंधित कुछ सेवाएँ उपलब्ध करा सकती है।
- उपलब्ध विकल्प बैंक और सेवा पर निर्भर करते हैं।

उदाहरण: इंटरनेट न होने पर कोई उपयोगकर्ता समर्थित मोबाइल नंबर से *99# डायल करके उपलब्ध बैंकिंग विकल्प देखता है।

Debit Card और Credit Card

Debit Card और Credit Card दोनों का उपयोग भुगतान के लिए किया जाता है, लेकिन दोनों में पैसे के स्रोत का अंतर होता है।

Debit Card

Debit Card बैंक खाते से जुड़ा कार्ड होता है। इससे भुगतान करने या ATM से पैसे निकालने पर राशि सामान्यतः जुड़े बैंक खाते से कटती है, बशर्ते पर्याप्त बैलेंस और लागू सीमाएँ उपलब्ध हों।

उदाहरण: बैंक खाते में ₹5,000 हैं। Debit Card से ₹1,000 की खरीदारी करने पर खाते का बैलेंस सामान्यतः ₹4,000 रह जाएगा।

Debit Card के उपयोग:

- ATM से नकद निकालना।
- दुकान पर कार्ड से भुगतान।
- ऑनलाइन खरीदारी।
- समर्थित मशीन पर PIN या अन्य स्वीकृत प्रमाणीकरण से भुगतान।

Credit Card

Credit Card बैंक या कार्ड जारी करने वाली संस्था द्वारा स्वीकृत क्रेडिट सीमा के अंतर्गत उधार पर खरीदारी या भुगतान करने की सुविधा देता है। खर्च की गई राशि का भुगतान बाद में बिल के अनुसार करना होता है।

उदाहरण: किसी व्यक्ति की Credit Card सीमा ₹50,000 है। वह ₹5,000 की खरीदारी करता है। यह राशि उसके बैंक खाते से उसी समय Debit Card की तरह सीधे नहीं कटती; वह कार्ड बिल में जुड़ती है।

समय पर पूरा बकाया न चुकाने पर ब्याज और अन्य शुल्क लग सकते हैं।

Debit Card और Credit Card में अंतर

आधार	**Debit Card**	**Credit Card**
पैसे का स्रोत	बैंक खाते की राशि	स्वीकृत क्रेडिट सीमा
भुगतान	राशि खाते से कटती है	खर्च का बिल बाद में चुकाया जाता है
ब्याज	सामान्य खरीदारी पर आम तौर पर नहीं	बकाया पर नियमों के अनुसार लग सकता है
मुख्य उपयोग	अपने उपलब्ध पैसे से भुगतान	स्वीकृत उधार सीमा से भुगतान

महत्वपूर्ण: ATM Card और Debit Card एक ही चीज हो सकते हैं, लेकिन हर कार्ड की सुविधाएँ समान नहीं होतीं। Credit Card से नकद निकालने पर अलग शुल्क और ब्याज लग सकता है।

eWallet –

eWallet का पूरा नाम **Electronic Wallet** है। यह डिजिटल वॉलेट है, जिसका उपयोग इलेक्ट्रॉनिक रूप से भुगतान करने के लिए किया जा सकता है।

कुछ वॉलेट में पहले पैसे जोड़े जाते हैं, जबकि कुछ ऐप बैंक खाते, कार्ड या अन्य भुगतान माध्यम से लेन-देन की सुविधा देते हैं। सभी डिजिटल भुगतान ऐप एक जैसे नहीं होते।

उदाहरण: किसी समर्थित डिजिटल वॉलेट में राशि जोड़कर मोबाइल रिचार्ज या दुकानदार को भुगतान करना।

eWallet की विशेषताएँ:

- मोबाइल ऐप के माध्यम से भुगतान।
- रिचार्ज, बिल भुगतान या खरीदारी की सुविधा, जहाँ उपलब्ध हो।

- लेन-देन का डिजिटल रिकॉर्ड।
- कुछ वॉलेट में पैसे पहले से जमा रखने की सुविधा।

UPI और eWallet में सामान्य अंतर:

- UPI मुख्यतः बैंक खातों के बीच भुगतान की प्रणाली है।
- eWallet डिजिटल वॉलेट है, जिसमें सेवा के अनुसार राशि रखी जा सकती है या भुगतान के दूसरे माध्यम जुड़े हो सकते हैं।

PoS – Point of Sale

PoS का पूरा नाम **Point of Sale** है। यह वह स्थान या व्यवस्था है जहाँ ग्राहक से भुगतान स्वीकार किया जाता है। दुकानों में PoS Terminal नाम की मशीन से कार्ड भुगतान लिया जा सकता है।

उदाहरण: दुकान पर सामान खरीदने के बाद Debit Card मशीन में डालकर, टैप करके या स्वीकृत तरीके से भुगतान करना।

PoS के उपयोग:

- Debit Card और Credit Card से भुगतान स्वीकार करना।
- कुछ मशीनों में Contactless Payment।
- बिक्री और भुगतान का रिकॉर्ड रखना।
- उपलब्ध व्यवस्था के अनुसार डिजिटल रसीद देना।

Internet Banking

Internet Banking को Online Banking भी कहा जाता है। इसके माध्यम से ग्राहक बैंक की वेबसाइट या अधिकृत डिजिटल सेवा पर लॉगिन करके इंटरनेट के जरिए बैंकिंग कार्य कर सकता है।

Internet Banking से किए जाने वाले कार्य:

1. खाते का बैलेंस देखना।
2. बैंक स्टेटमेंट डाउनलोड करना।
3. दूसरे खाते में पैसे भेजना।

4. बिजली, पानी या अन्य बिल जमा करना।
5. कुछ सेवाओं में Fixed Deposit या अन्य बैंकिंग सेवाओं का उपयोग।
6. चेक बुक या अन्य बैंकिंग सेवाओं के लिए अनुरोध करना, जहाँ सुविधा उपलब्ध हो।

उदाहरण: कंप्यूटर पर बैंक की आधिकारिक वेबसाइट खोलकर लॉगिन करना और NEFT से दूसरे बैंक खाते में पैसे भेजना।

सुरक्षा के नियम:

- बैंक की सही और आधिकारिक वेबसाइट का उपयोग करें।
- सार्वजनिक कंप्यूटर पर लॉगिन करने से बचें।
- काम पूरा होने पर Logout करें।
- पासवर्ड और OTP किसी से साझा न करें।
- संदिग्ध लिंक से बैंकिंग वेबसाइट न खोलें।

NEFT –

NEFT का पूरा नाम **National Electronic Funds Transfer** है। यह भारत में बैंक खातों के बीच इलेक्ट्रॉनिक रूप से पैसे भेजने की प्रणाली है।

NEFT का उपयोग Internet Banking, Mobile Banking या बैंक द्वारा उपलब्ध अन्य माध्यमों से किया जा सकता है।

मुख्य विशेषताएँ:

- एक बैंक खाते से दूसरे बैंक खाते में धन भेजना।
- बैंक के नियमों के अनुसार अलग-अलग भुगतान माध्यमों से उपयोग।
- NEFT का निपटान बैचों में किया जाता है।
- यह 24×7 उपलब्ध है, लेकिन लेन-देन का समय और प्रक्रिया बैंकिंग प्रणाली के नियमों के अनुसार हो सकती है।

उदाहरण: ग्राहक Internet Banking से किसी दूसरे बैंक खाते में ₹10,000 भेजने के लिए NEFT चुनता है।

RTGS –

RTGS का पूरा नाम **Real Time Gross Settlement** है। यह एक इलेक्ट्रॉनिक धन हस्तांतरण प्रणाली है, जिसमें भुगतान का निपटान वास्तविक समय में और प्रत्येक लेन-देन के आधार पर किया जाता है।

मुख्य विशेषताएँ:

- बड़े मूल्य के धन हस्तांतरण के लिए उपयोगी।
- भुगतान का निपटान Real Time में होता है।
- Gross Settlement का अर्थ है कि प्रत्येक लेन-देन का अलग-अलग निपटान होता है।
- भारत में RTGS के लिए सामान्य न्यूनतम राशि ₹2 लाख है; सामान्यतः अधिकतम सीमा निर्धारित नहीं है, लेकिन बैंक अपनी लागू सीमाएँ रख सकते हैं।
- RTGS सेवा 24×7 उपलब्ध है।

उदाहरण: किसी व्यवसाय को दूसरे बैंक खाते में ₹5,00,000 भेजने हैं। वह आवश्यक विवरण भरकर RTGS का उपयोग कर सकता है।

IMPS –

IMPS का पूरा नाम **Immediate Payment Service** है। यह एक ऐसी इलेक्ट्रॉनिक भुगतान सेवा है, जिसके माध्यम से बैंक खातों के बीच तुरंत पैसे भेजे जा सकते हैं।

भारत में IMPS सेवा NPCI द्वारा संचालित की जाती है।

मुख्य विशेषताएँ:

- तुरंत धन हस्तांतरण।
- सामान्यतः 24×7 उपलब्ध।
- मोबाइल बैंकिंग, Internet Banking और अन्य समर्थित बैंकिंग माध्यमों से उपयोग।
- उपलब्ध राशि सीमा और शुल्क बैंक के नियमों के अनुसार अलग हो सकते हैं।

उदाहरण: कोई व्यक्ति मोबाइल बैंकिंग से दूसरे व्यक्ति के बैंक खाते में पैसे भेजने के लिए IMPS चुनता है और सफल लेन-देन के बाद राशि तुरंत प्राप्त हो सकती है।

NEFT, RTGS और IMPS में अंतर

आधार	NEFT	RTGS	IMPS
पूरा नाम	National Electronic Funds Transfer	Real Time Gross Settlement	Immediate Payment Service
निपटान	बैचों में	वास्तविक समय में, प्रत्येक लेन-देन अलग	तुरंत
सामान्य उपयोग	सामान्य धन हस्तांतरण	बड़े मूल्य के भुगतान	तुरंत धन हस्तांतरण
न्यूनतम राशि	सामान्यतः कोई न्यूनतम सीमा निर्धारित नहीं	₹2 लाख	बैंक/चैनल के नियम लागू
उपलब्धता	24×7	24×7	सामान्यतः 24×7

Online Bill Payment

Online Bill Payment का अर्थ है इंटरनेट या डिजिटल माध्यम से बिल का भुगतान करना।

उदाहरण:

- बिजली का बिल।
- पानी का बिल।
- मोबाइल और DTH रिचार्ज।
- गैस बिल।
- ब्रॉडबैंड या इंटरनेट बिल।
- अन्य उपलब्ध सरकारी या निजी सेवाओं के बिल।

Online Bill Payment की सामान्य प्रक्रिया:

1. संबंधित वेबसाइट या अधिकृत ऐप खोलें।

2. सेवा का प्रकार चुनें।
3. Consumer Number, Account Number या आवश्यक विवरण भरें।
4. प्रदर्शित बिल और राशि की जाँच करें।
5. उपलब्ध भुगतान माध्यम चुनें, जैसे UPI, कार्ड या Internet Banking।
6. भुगतान को अधिकृत करें।
7. सफल भुगतान की रसीद या Transaction ID सुरक्षित रखें।

महत्वपूर्ण बातें:

- भुगतान से पहले Consumer Number और राशि जाँचें।
- एक ही बिल का भुगतान दोबारा करने से बचें।
- यदि पैसे कट गए लेकिन बिल अपडेट नहीं हुआ, तो Transaction ID सुरक्षित रखें और सेवा प्रदाता या बैंक के आधिकारिक सहायता माध्यम से संपर्क करें।

Digital Payment की सुरक्षा

डिजिटल भुगतान सुविधाजनक हैं, लेकिन गलत व्यक्ति को पैसे भेजने या धोखाधड़ी से बचना आवश्यक है।

1. OTP, UPI PIN, ATM PIN और पासवर्ड गोपनीय रखें।
2. अनजान व्यक्ति के कहने पर कोई ऐप इंस्टॉल न करें।
3. QR Code स्कैन करने के बाद भुगतान पाने वाले का नाम और राशि जाँचें।
4. पैसे प्राप्त करने के लिए सामान्यतः UPI PIN डालने की आवश्यकता नहीं होती।
5. बैंक की गोपनीय जानकारी फोन, मैसेज या सोशल मीडिया पर साझा न करें।
6. बैंकिंग के लिए सुरक्षित नेटवर्क और अधिकृत ऐप या वेबसाइट का उपयोग करें।
7. भुगतान का SMS या ऐप नोटिफिकेशन जाँचें।
8. गलत या संदिग्ध लेन-देन दिखने पर तुरंत बैंक के आधिकारिक माध्यम से शिकायत करें।

महत्वपूर्ण Full Forms –

संक्षिप्त नाम	पूरा नाम
OTP	One Time Password
QR	Quick Response
UPI	Unified Payments Interface
NPCI	National Payments Corporation of India
AEPS	Aadhaar Enabled Payment System
USSD	Unstructured Supplementary Service Data
ATM	Automated Teller Machine
PoS	Point of Sale
eWallet	Electronic Wallet
NEFT	National Electronic Funds Transfer
RTGS	Real Time Gross Settlement
IMPS	Immediate Payment Service
PIN	Personal Identification Number
VPA	Virtual Payment Address

Exam के लिए महत्वपूर्ण One-Liners

1. डिजिटल भुगतान इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से किया जाने वाला भुगतान है।
2. OTP का पूरा नाम One Time Password है।
3. QR का पूरा नाम Quick Response है।
4. UPI का पूरा नाम Unified Payments Interface है।
5. UPI के विकास में NPCI की महत्वपूर्ण भूमिका है।
6. AEPS का पूरा नाम Aadhaar Enabled Payment System है।
7. AEPS में आधार और बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण का उपयोग हो सकता है।

8. USSD का पूरा नाम Unstructured Supplementary Service Data है।

9. भारत में *99# USSD आधारित मोबाइल बैंकिंग से संबंधित महत्वपूर्ण कोड है।

10. Debit Card से भुगतान की राशि सामान्यतः बैंक खाते से कटती है।

11. Credit Card स्वीकृत क्रेडिट सीमा के अंतर्गत भुगतान की सुविधा देता है।

12. eWallet का अर्थ Electronic Wallet है।

13. PoS का पूरा नाम Point of Sale है।

14. Internet Banking से बैंकिंग कार्य इंटरनेट के माध्यम से किए जाते हैं।

15. NEFT का पूरा नाम National Electronic Funds Transfer है।

16. RTGS का पूरा नाम Real Time Gross Settlement है।

17. RTGS का सामान्य न्यूनतम लेन-देन ₹2 लाख है।

18. IMPS का पूरा नाम Immediate Payment Service है।

19. NEFT में निपटान बैचों में होता है।

20. RTGS में प्रत्येक लेन-देन का निपटान अलग-अलग होता है।

21. IMPS तुरंत धन हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करता है।

22. Online Bill Payment से बिजली, पानी और अन्य बिल ऑनलाइन जमा किए जा सकते हैं।

23. UPI PIN को किसी अन्य व्यक्ति के साथ साझा नहीं करना चाहिए।

24. डिजिटल लेन-देन की Transaction ID भुगतान का रिकॉर्ड खोजने में सहायक होती है।

25. भुगतान करने से पहले प्राप्तकर्ता का नाम और राशि जाँचना चाहिए।

Hi-Tech

Final Revision –

प्रश्न 1. UPI का पूरा नाम क्या है?

उत्तर: Unified Payments Interface.

प्रश्न 2. OTP का उपयोग क्यों किया जाता है?

उत्तर: पहचान सत्यापित करने या लेन-देन को अधिकृत करने के लिए।

प्रश्न 3. QR Code का पूरा नाम क्या है?

उत्तर: Quick Response Code.

प्रश्न 4. AEPS में किसका उपयोग किया जाता है?

उत्तर: आधार और निर्धारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण का।

प्रश्न 5. इंटरनेट के बिना मोबाइल बैंकिंग से संबंधित कौन-सी सेवा उपयोगी हो सकती है?

उत्तर: USSD आधारित सेवा।

प्रश्न 6. *99# किससे संबंधित है?

उत्तर: USSD आधारित मोबाइल बैंकिंग से।

प्रश्न 7. Debit Card और Credit Card में मुख्य अंतर क्या है?

उत्तर: Debit Card में राशि सामान्यतः बैंक खाते से कटती है, जबकि Credit Card स्वीकृत क्रेडिट सीमा पर भुगतान की सुविधा देता है।

प्रश्न 8. PoS का पूरा नाम क्या है?

उत्तर: Point of Sale.

प्रश्न 9. NEFT का पूरा नाम क्या है?

उत्तर: National Electronic Funds Transfer.

प्रश्न 10. RTGS का पूरा नाम क्या है?

उत्तर: Real Time Gross Settlement.

प्रश्न 11. RTGS की सामान्य न्यूनतम राशि कितनी है?

उत्तर: ₹2 लाख।

Hi-Tech

प्रश्न 12. IMPS का पूरा नाम क्या है?

उत्तर: Immediate Payment Service.

प्रश्न 13. NEFT और RTGS में निपटान का मुख्य अंतर क्या है?

उत्तर: NEFT में निपटान बैचों में होता है, जबकि RTGS में प्रत्येक लेन-देन का निपटान वास्तविक समय में अलग-अलग होता है।

प्रश्न 14. eWallet क्या है?

उत्तर: डिजिटल भुगतान के लिए उपयोग किया जाने वाला Electronic Wallet.

प्रश्न 15. Online Bill Payment क्या है?

उत्तर: इंटरनेट या डिजिटल माध्यम से बिल जमा करना।

Hi-Tech